हुआ तो उसने कहा कि मेरा नमाज का टाइम हैं, मैं जाता हूं। बिशअप ने कहा कि आप यहीं नमाज पढ़ लीजिए तो उसने कहा कि मैं यहां नहीं पढ़ूंगा। कल को कोई मूर्ख आदमी कहेगा कि यहां नमाज पढ़ी गई थी इसलिए चर्च नहीं मस्जिद हैं। दिस इज अनइस्लामिक यानी जाक जमीन कायदे से मिली नहीं वहां मस्जिद नहीं हो सकती हैं। ये बेकायदे हैं। साहब, मक्का के इमाम ने कहा कि अगर यह सिद्ध हो जाए तो यहां मंदिर था तो यहां मस्जिद होना गलत हैं तो वापस कर लेना चाहिए।

श्री मोहम्द सलीम : यही बात हो रही हैं यहां पर मंदिर के बारे में ... (**व्यवधान**) ...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : हिन्दू क्या हैं... (**व्यवधान**) ...

SHRI K.R. MALKANI: This is unis-lamic. *...(Interruptions)...*

THE DEPUTY CHAIRMAN: This is his own point. *(Interrutpions)* Please sit down. *(Interruptions)*

SHRI MD. SALIM: What is the topic that we are discussing today? *(Interruptions)* Come to the topic. *(Interruptions)*

SHR M.P. ABDUSSAMAD SAMADANI: What is this religious vertict? *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: That is unfair. *(Interruptions)* Please sit down. *(Interruptions)* Sit down, please.

I said from the beginning that it is one's perception according to which one speaks. If this is his perception, he is speaking, he cannot speak from your mind. He is speaking from his mind, from his perception and from his understanding and that is his belief. Let him speak. It is a free country. You cannot ask him to speak in your language otherwise, it will be something which Mr. Hanumanthappa suggested. बोलकर जल्दी खत्म कर दीजिए।

श्री वसीम अहमद : महोदया, यह कोई... (**व्यवधान**) ...

उपसभापति : अच्छा वे कह रहे हैं। बैठ जाइये, खत्म करिए। Let us finish it please. *(Interruptions)*

श्री के0 आर0 मलकानी : उपसभापति महोदया, 6 दिसम्बर को जो कुछ हुआ है उसके बारे में हमने कई बार कहा हैं कि अनफोचुनेट था। हम शिप्ट करना चाहते थे बाइज्जत और बाअदब से। इस ढंग से बिल्कुल नहीं चाहते थे। उस दिन जो कुछ हुआ वह मेंजर मिस्ट्री हैं। मैं आपका ध्यान अर्जुन सिंह की तरफ खींचना चाहता हूं मैं उस समय सीनियर मिनिस्टर थे। उन्होंने 1 दिसम्बर, 1992 को कैबिनेट से चिट्ठी लिखी कि ये गिरायें न गिरायें, कुछ लोग बाहर से आए हैं वे गिराने वाले हैं। यह अर्जुन सिंह की चिट्ठी में अपैन्डिक्स पेज -48 पर हैं जो उन्होंने रेजिगेशन लैटर के साथ अटैच की थी। मैं जानना चाहूंगा कि सरकार ने इस लैटर के आधार पर क्या कदम उठाए, जो गवर्नमेंट ने व्हाइट पेपर छापा उसमें उसका जिक्र क्यों नहीं किया? यह लिबरहन कमीशन 6 साल से चला आ रहा हैं। वे मेरे से कहते हैं कि गवर्नमेंट कोआपरेट नहीं करती। हमारी गवर्नमेंट तो कल आई है इससे पहले राव साहब और गौड़ा साहब की गवर्नमेंट थी, वे क्या कर रहे थे? मेरा ख्याल में वे को-आपरेट इसलिए नहीं कर रहे थे because they had a lot to hide. This is certainly a major (Time Bell).

उपसभापति : मलकानीजी, 6-7,8-10 मिनट में खत्म कर दीजिये।

SHRI K.R. MALKANI: Thank you very much, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, I have a Bill...

SHRI JANARDHANA POOJARY: This is a very serious matter, Madam.

THE DEPUTY CHAIRAN: I have a Bill for introduction. Then I will call the Home Minister because the Minister because the Minister is sitting here and we want him to go and do some work.

Yes, Mr. Thambi Durai.

GOVERNMENT BILL

The Administrators-General (Amendment) Bill, 1998

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI M. THAMBI DURAI): Madam, I beg to move for leave to introduce a Bill furthei

to amend The Administrators-General Act, 1963.

The question was put and the motion was adopted

SHRI M. THAMBI DURAI: Madam, I introduce the Bill.

SPECIAL MENTION - CONTD.

V.H.P.S. Plan to construct Ram Temple of Ayodhya - Contd.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, the Home Minister... *(Interruptions)* Yes, Manmohan Singhji.

DR. MANMOHAN SINGH: Madam, I have a submission to make, in the unstructured debate on the Special Mention, grave and important issues, having a bearing on communal harmony, unity and cohesion of our country, have been raised. It was our understanding that the hon. Prime Minister would be kind enough to come here and reply to this debate.

We request that this request of the Opposition should be conceded. I recognise that normally on Special Mentions it is not usual to ask a Minister of the Government to reply but this claim on a special occasion like this would appear to be hollow if there is no reply. Only yesterday my colleague, Mr. Mukherjee made a Special Mention and the Prime Minister was gracious enough to make a statement in view of the gravity of the issues that had been raised in the course of the debate. I sincerely request representatives of the Government that the Prime Minister may kindly be requested to come to this House and reply to the points that have been raised in this debate.

SHRI JIBON ROY: The entire House supports. *(Interruptions)*

उपसभापति : बस हो गया हैं। सपोर्ट कर दिया।

SHRI NILOTPAL BASU: What is the response of the Government? *(Interruptions)* What is the relevance of the Parliament when there is no response from the Government? *(Interruptions)* What is the use? *(Interruptions)* Only yesterday the Prime Minister responded., *(Interruptions)*

श्री वसीम अहमद : हम तो प्राइम मिनिस्टर से रिप्लाई चाहते हैं।

SHRI PRANAB MUKHERJEE: The Leader of the House should say something, Madam. *(Interruptions)*

श्री वसीम अहमद : हम तो प्राइम मिनिस्टर से रिप्लाई चाहते हैं।

सदन के नेता (**श्री सिकन्दर बख्त**) : सदर साहिबा, जब डा0 मनमोहन सिंह जी खड़े होते हैं तो मैं बड़ी उलझन में पड़ जाता हूं...

उपसभापति : आपको अच्छा लगता होगा। आप भी कभी वहां से खड़े होते थे।

श्री सिकन्दर बख्त : बात यह हैं कि जिस लब्बो-लहजे में डाक्टर साहब ने बात की है और इससे पहले जिस लब्बो-लहजे मे इसरार हो रहा था, उस लबे-लहजे और अल्फाज के सामने मैं झुकने के लिए तैयार उनहीं हो सकता। मगर डाक्टर साहब का लब्बो-लहजा और जिन अल्फाज में उन्होंने बात कही हैं, मेरे सामने सिवाय झुकने का कोई दूसरा रास्ता नहीं हैं। मैं, प्राइम मिनिस्टर साहब से बात करूंगा उन तक इस हाउस का ख्वाहिशात पहुंचा दूंगा। इसमें दिक्कत यह हैं कि उन्होनें डिबेट सुनी नहीं। किसी ने इसको डिबेट समझकर नोट भी नहीं किया। मोटे तौर पर जो बातें कहीं गई हैं, वह हम कई दिनों से कह रहे हैं। इसको जेहन मे रखकर ... (**व्यवधान**) ...

उपसभापति : प्लीज, उनको बोलने दीजिए। लीडर आफ दि हाउस हैं, सुन लीजिए।

श्री सिकन्दर बख्त : मैं प्राइम मिनिस्टर साहब से दरख्वास्त करूंगा कि इस किस्म की ख्वाहिश इस हाउस की हैं।

†**نیت سدن "شری سکندر بخت"**: صدر صاحبہ، جب ڈاکٹر منموہن سنگھ جی کھڑے

†[ ]Transilteration in Arabic Script